मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 83, मुंबई, गुरुवार, 28 मई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

हिमाचल प्रदेश में हुए पीपीई किट खरीद ....

घोटाले की आंच बीजेपी तक

हिमाचल प्रदेश में हुए पीपीई किट खरीद घोटाले में अब राज्य के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। घोटाले से जुड़ी अधिकारी की बातचीत का कथित ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद स्वास्थ्य निदेशक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बिन्दल ने इस्तीफे में कहा कि मैं सिर्फ उच्च नैतिक मूल्यों के आधार पर इस्तीफा दे रहा हूं।

संवाददाता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में हुए पीपीई किट खरीद घोटाले की आंच बीजेपी तक पहुंच गई है। राज्य के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बुधवार को बिंदल ने अपना इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेज दिया है। घोटाले से जुड़ी अधिकारी की बातचीत का कथित ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद स्वास्थ्य निदेशक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

विजिलेंस विभाग इस मामले की जांच कर रहा है

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का इस्तीफा

स्वास्थ्य निदेशक पहले ही गिरफ्तार

॥ शुभ लाभ ॥

MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA

Malad (W) Tel. : 288 99 501

महाराष्ट्र: 24 घंटे में कोरोना से 105 लोगों की मौत

मरीजों की संख्या 57 हजार के करीब

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। पिछले 24 घंटे में राज्य में कोरोना से 105 लोगों की मौत हुई है। इस दौरान कोरोना के 2190 नए मामले भी सामने आए हैं। महाराष्ट्र में कोरोना से अब तक 1897 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं राज्य में मरीजों की संख्या 56 हजार 998 हो गई है। इसमें से 37 हजार 125 एक्टिव केस हैं। 17 हजार 918 मरीज इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। आर्थिक राजधानी मुंबई की बात करें तो यहां पर पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1044 नए केस सामने आए हैं और 32 लोगों की मौत हुई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संपादकीय

चढ़ते पारे के दिन

यह सचमुच कडे. इम्तिहान की घड़ी है। प्रकृति जैसे हमारे समूचे धैर्य और संघर्ष-शक्ति को आजमाने पर उतर आई है। एक तरफ, दुनिया कोविड-19 के कहर से हलकान है, तो वहीं दूसरी ओर चक्रवाती तूफान कई देशों के लिए विनाशकारी बनकर आया, और अब लू के थपेड़ों ने धरती के जीवों को झुलसाना शुरू कर दिया है। भारत के कुछ हिस्सों में तो पारा सोमवार को 47 डिग्री के पार चला गया और मौसम विभाग का आकलन है कि इस बार मानसून देरी से केरल पहुंच रहा है यानी सूरज देव का कोपभाजन लंबे समय तक बनना पडेगा, खासकर उत्तर भारत के लोगों को। चढ़ते पारे के कारण मौसम विभाग ने कल दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट तक जारी किया था। ऐसी सूचनाएं लोगों को आगाह करती हैं कि वे बेवजह धूप में न निकलें। जब कोरोना महामारी के कारण देश-दुनिया में पूर्ण लॉकडाउन हुआ, और कारों-कारखानों के पहिए थमे, तब पर्यावरण में कई तरह के सुखद बदलाव दर्ज किए गए थे। शहरों की हवा, नदी-जल के प्रदूषण में कमी के अलावा सुदूर आर्कटिक क्षेत्र में ओजोन छिद्रों के भरने तक की खबरें आईं। लेकिन तब भी मौसम वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों ने किसी तात्कालिक राहत की उम्मीद नहीं बांधी थी, और अब जिस तरह से तापमान नए रिकॉर्ड दर्ज कराता जा रहा है, उसे देखते हुए शासन-प्रशासन के आगे एक और बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है। इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले एक दशक में 6,000 से भी अधिक लोग लू के शिकार बन चुके हैं। और यह आंकड़ा सिर्फ उन लोगों का है, जिनके नाम सरकारी दस्तावेजों में इस खाते में दर्ज हुए। ऐसे में, शासन-प्रशासन के ऊपर अब दो-दो मोर्चों पर जूझने की जिम्मेदारी होगी। एक तरफ, उन्हें कोविड-19 के संक्रमितों के क्वारंटीन और इलाज की व्यवस्था करनी है, तो वहीं लू के लिहाज से बेहद संवेदनशील लोगों की मदद के लिए भी तत्पर रहना है। चिंता की बात बस यह है कि पिछले दो महीने से भी अधिक समय से अनिवार्य सेवाओं से जुडे. लोग अनथक अपने कर्तव्य के निर्वाह में जुटे हुए हैं, तापमान के इस तीखे तेवर से उन पर काम का बोझ और बढ़ जाएगा। देश के कई महानगर पहले ही भारी जल संकट झेल रहे हैं। खासकर गरमी के तीन-चार महीनों में तो उनकी हालत सबसे दयनीय होती है। पिछले साल मुंबई, बेंगलुरु में पानी की किल्लत का आलम यह रहा कि कई बडे. आयोजन तक टाल देने पडे. थे। आज जब मुंबई और चेन्नई जैसे महानगर कोरोना महामारी से सर्वाधिक त्रस्त हैं, तब किसी प्रकार का जल संकट उनके लिए परेशानी का एक नया सबब बन सकता है। लोगों की दैनिक जरूरतों के लिए पानी की कमी होगी, जबकि बेहतर सैनेटाइजेशन के लिए उन्हें अधिक पानी की जरूरत होगी। यह ठीक है कि बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय कामगारों के वहां से पलायन के कारण नगर प्रशासन का दबाव कुछ घटा होगा, लेकिन विडंबना यह है कि हमारे नागरिक जीवन की जितनी जमीनी सेवाएं हैं, उनका दारोमदार काफी कुछ बाहर से आए मजदूरों के कंधों पर ही रहा है।

लॉकडाउन के भी हैं नुकसान

आज लगभग संपूर्ण विश्व कोरोना वायरस के समक्ष घुटने टेके खड़ा है। अब तक इसका कोई सफल इलाज नहीं मिल पाया है। वैक्सीन बनाने की तैयारी के दावे तो भारत समेत दुनिया के कई देश कर रहे हैं, और उम्मीद तो यह भी जताई जा रही है कि जल्द इसे विकसित कर लिया जाएगा, लेकिन ठोस नतीजों का अभी इंतजार है। यह उम्मीद कायम है कि किसी न किसी देश के वैज्ञानिक जल्द ही दुनिया को इस महामारी पर अपनी विजय की सूचना देंगे। कोरोना के शुरूआत में इससे बचाव ही इसका एक मात्र इलाज बताया गया और विश्व के अधिकांश प्रभावित देशों ने अपने यहां लॉकडाउन कर लिया। लेकिन जीवन रुकने नहीं, बल्कि चलने का नाम है तो लॉकडाउन में विश्व कब तक रहता। वैसे लॉकडाउन से कोरोना की रफ्तार कुछ कम जरूर हुई थी, लेकिन थमी नहीं थी और इसके अपने नुकसान थे जो गिरती अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों की आमदनी बंद हो जाने जैसे तमाम व्यावहारिक समस्याओं के रूप में सामने आने लगे। अब सरकारों के पास लॉकडाउन खोलने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। जीवन चलाने के लिए जीवन को ही दांव पर लगा दिया गया।

इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक आशंका यह भी जाहिर की है कि शायद कोरोना का इलाज या उसकी वैक्सीन कभी नहीं आ पाए, इसलिए हमें इसके साथ ही जीना सीखना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत जैसे विशाल आबादी वाले देशों को हर्ड इम्युनिटी यानी सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता के सिद्धांत को अपनाने की सलाह भी दी है, जिसका

आधार यह है कि भारत जैसे देश की अधिकतर जनसंख्या युवा है जिसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है। इसलिए जब बड़ी आबादी में कोरोना से संक्रमण होगा तो उसमें वायरस के प्रतिरोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होगा।

वैसे हर्ड इम्युनिटी की बात करते समय हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस सिद्धांत के मूल में एक स्वस्थ शरीर होता है, जबकि आज की सच्चाई यह है कि भारत समेत विश्व के अधिकांश देशों के युवा आज आधुनिक जीवनशैली जनित रोगों की चपेट में हैं, कम उम्र में मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से ग्रस्त हैं। फास्ट फूड, सिगरेट, तंबाकू, शराब और ड्रग्स के सेवन से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है। इसलिए भारत में यह सिद्धांत कितना सफल होगा यह तो वक्त ही बताएगा। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि शुरू में ब्रिटेन ने हर्ड इम्युनिटी का सिद्धांत ही अपनाया था, लेकिन बढ़ते संक्रमण और मौत के आंकड़ों ने दो सप्ताह से कम समय में उसे लॉकडाउन करने के लिए मजबूर कर दिया था। जब यह बात सामने आने लगी है कि कोरोना वायरस एक प्राकृतिक वायरस ना होकर मानव निर्मित है, तो हमें भी अपनी पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर सोचना होगा। वैसे तो विश्वभर में इसका इलाज खोजने के लिए विभिन प्रयोग चल रहे हैं, लेकिन यह कार्य इतना आसान नहीं है, क्योंकि आज तक सर्दी-जुकाम जैसे साधारण से प्राकृतिक वायरल इंफेक्शन का मुकम्मल इलाज नहीं खोजा जा सका है। वहीं स्माल पॉक्स, मिजील्स, चिकन पॉक्स जैसी वायरल बीमारियों की वैक्सीन बना ली गई है।

वैक्सीन भी रोग प्रतिरोधक क्षमता के सिद्धांत पर ही काम करती है जिसमें बीमारी के कुछ कमजोर कीटाणु स्वस्थ मानव शरीर में पहुंचाए जाते हैं। इसलिए वैक्सीनेशन के बाद बुखार आना स्वाभाविक लक्षण माना जाता है और वैक्सीन द्वारा मानव शरीर में पहुंचाई गई कीटाणुओं की अल्प मात्रा के खिलाफ लड़कर शरीर उस बीमारी से लड़ने की क्षमता विकसित कर लेता है। लेकिन कोरोना वायरस साधारण वायरस नहीं है और ना ही प्राकृतिक है, इसलिए ये साधारण दवाएं और सिद्धांत इसके इलाज में कारगर सिद्ध होंगे, इसमें संदेह है। तो जिस प्रकार लोहा ही लोहे को काटता है और जहर ही जहर को मारता है, कृत्रिम कोरोना वायरस का इलाज एक दूसरा कृत्रिम वायरस ही हो सकता है। जैसे कोरोना वायरस को लैब में तैयार किया गया है, ठीक वैसे ही एक ऐसा वायरस लैब में तैयार किया जाए जो कोरोना वायरस का तोड़ हो, जो उसे नष्ट कर दे। जीहां, यह संभव है। मानव शरीर के हित में उपयोग में लाने के लिए काफी समय से वायरस की जेनेटिक इंजीनियरिंग की जा रही है।जेनेटिक इंजीनियरिंग की मदद से ही कई पौधों के ऐसे बीज आज निर्मित किए जा चुके हैं जो पैदावार भी बढ़ाते हैं और जिनकी रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता इतनी अच्छी होती है कि वे संक्रमित नहीं होते। ऐसी फसल को जीएम फसल कहा जाता है। इसी तकनीक से वैक्सीन भी बनाई जा चुकी है। इस विधि का प्रयोग करके जो वैक्सीन तैयार की जाती है उसे रिकॉम्बीनेंट वैक्सीन कहते हैं। इस प्रकार जो पहली वैक्सीन तैयार की गई थी, वह हेपेटाइटिस बी के लिए थी जिसे 1986 में मंजूर किया गया था। दरअसल वायरस और बैक्टीरिया प्रजाति को अभी तक अधिकतर बीमारी फैलने और मानव शरीर पर आक्रमण करने के लिए ही जाना जाता रहा है। पर सभी वायरस और बैक्टीरिया ऐसे नहीं होते। कुछ तो मानव के मित्र होते हैं और सैकड़ों की संख्या में मानव शरीर में मौजूद रहते हैं।और कुछ वायरस तो ऐसे होते हैं जो बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया को नष्ट करते हैं इन्हें बैक्टेरियो फेज के नाम से जाना जाता है। इसी प्रकार वायरस द्वारा कैंसर का इलाज खोजने की दिशा में भी वैज्ञानिकों ने उत्साहवर्धक नतीजे प्राप्त किए हैं जिसे जीन थेरेपी कहा जाता है। इसके द्वारा लाइलाज कहे जाने वाले कई आनुवांशिक रोगों का भी इलाज खोजा जा रहा है। वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के स्ट्रक्चर यानी उसके ढांचे का पता लगा लिया है।

कोविड-19 का नकारात्मक आर्थिक प्रभाव

कभी-कभी सरकारी तंत्र को किसी ऐसी बात को जो अपने आप में काफी स्पष्ट हो, स्वीकार करने में वक्त लग जाता है। आखिरकार बीते शुक्रवार भारतीय रिजर्व बैंक ने यह मान लिया कि 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि नकारात्मक रहने का अनुमान है। वास्तव में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास यह कहना चाह रहे थे कि इस वित्तीय वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था सिकुड़ेगी। पिछले छह दशकों में इससे पहले ऐसा केवल चार बार हुआ है। इससे पहले 1979-80 में आखिरी बार भारतीय अर्थव्यवस्था सिकुड़ी थी। इस सिकुड़न की दर 5.24 फीसद रही थी। हालांकि दास ने सिकुड़न की दर के बारे में बात नहीं की, लेकिन कई आर्थिक संस्थाओं ने अपना पूवार्नुमान दे दिया है। अगर नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च

की मानें तो 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था 12.5 फीसद सिकुड़ेगी। यह पूवार्नुमान केंद्रीय सरकार के आर्थिक पैकेज की घोषणा होने के दौरान आया था।

गोल्डमैन साक्स और नोमुरा के विशेषज्ञों की मानें तो इस वित्तीय वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 5 फीसद सिकुड़ सकती है। बर्नस्टीन के अर्थशास्त्रियों की मानें तो यह सिकुड़न 7 फीसद तक हो सकती है। इन सब पूवार्नुमानों के बीच वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यिम का मानना है कि 2020-21 में आर्थिक विकास की दर 2 फीसद रहेगी, पर ऐसा होता दिखता नहीं है। यह लगभग नामुमकिन है और इसके पीछे एक सरल तर्क है। लॉकडाउन की वजह से अप्रैल और मई में अर्थव्यवस्था करीब-करीब बंद ही पड़ी रही। अगर यह मान कर चलें कि इन दो महीनो में केवल 50 फीसद आर्थिक गतिविधियां हुईं तब भी पूरे वित्तीय वर्ष में एक महीने की आर्थिक गतिविधि नष्ट हो चुकी है और ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन के खुलते ही सब कुछ पहले जैसे हो जाएगा। भले ही अर्थव्यवस्था आने वाले हफ्तों में धीरे-धीरे खुलती जाए, लेकिन महामारी कोविड-19 का नकारात्मक आर्थिक प्रभाव पूरी तरह खत्म नहीं होगा। फिजिकल डिस्टेंसिंग इतनी जल्दी खत्म नहीं होने वाली।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
28 मई, 2020

कांग्रेस-शिवसेना के बीच सब ठीक?

उद्धव को फोन कर राहुल गांधी बोले- हम हर फैसले में आपके साथ

महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक दूसरे से फोन पर बात की है। राहुल गांधी ने उद्धव को यह आश्वस्त किया है कि कोरोना के संकट काल में सरकार के हर फैसले में कांग्रेस पार्टी घटक दल के रुप में गठबंधन के साथ है।

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में महाअघाड़ी के दलों की बैठक से पहले सीएम उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष राहुल गांधी के बीच बातचीत हुई है। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने उद्धव ठाकरे से बातचीत करते हुए उन्हें यह आश्वस्त किया है कि कोरोना के संकट काल में सरकार के हर फैसले में कांग्रेस पार्टी घटक दल के रुप में गठबंधन के साथ है। इससे पहले मंगलवार को ही राहुल गांधी ने यह कहा था कि महाराष्ट्र सरकार के किसी फैसले में कांग्रेस की कोई भूमिका नहीं है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह सीएम उद्धव ठाकरे ने राहुल गांधी से महाराष्ट्र के सियासी घटनाक्रम पर लंबी बातचीत

की। इस दौरान राहुल ने उद्धव को कांग्रेस के साथ होने के प्रति आश्वस्त किया। इससे कुछ देर पहले ही सीएम उद्धव ने अपने आधिकारिक आवास वर्षा में महाअघाड़ी के दलों की बैठक बुलाई थी। कोरोना से लड़ रहे महाराष्ट्र में सियासी चर्चाओं के बीच इस बैठक को एक बड़े मंथन के रूप में देखा जा रहा है। राज्य में इस बात की तमाम चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि महाअघाड़ी के दलों में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। अटकलों का बाजार उस दिन ही शुरू हो गया था, जिस रोज एनसीपी नेता शरद पवार ने पहले राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और फिर सीएम उद्धव से उनके आवास पर मुलाकात की थी। हालांकि इसके बाद शिवसेना के नेता संजय राउत ने एनसीपी की राज्यपाल से मुलाकात को एक गैर राजनीतिक भेंट बताया था।

शिवसेना ने कहा- पवार के मातोश्री जाने पर विवाद क्यों?

दूसरी ओर बुधवार को ही शिवसेना के मुखपत्र सामना ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि शरद पवार के मातोश्री जाने पर इतना विवाद क्यों हो रहा है। गुरुवार को शिवसेना ने अपनी संपादकीय में लिखा, राजभवन में पिछले कुछ दिनों से लोगो का आना जाना लगा है ऐसे में राज्यपाल का क्या दोष? पवार के मातोश्री जाने पर इतना हंगामा क्यों? वो पहली बार तो वहां नही गए और सरकार में कोई भी अस्थिरता नहीं। अगर कोरोना का संकट ना होता तो 6 महीने सरकार चलाने का जश्न मनाया जा रहा होता।

महाराष्ट्र सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों को फटकार लगाएं राज्यपाल: शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने बुधवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से अपील की कि वे राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों को फटकार लगाएं। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के एक संपादकीय में शिवसेना ने सत्तारूढ़ महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन के पास बहुमत बरकरार रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि विपक्षी भाजपा के पास 105 विधायकों का ही समर्थन है। संपादकीय के अनुसार, हम उम्मीद करते हैं कि यह अटूट रहे। लेकिन सरकार के पास 170 विधायकों का समर्थन है और अगर कुल 200 विधायक उसके समर्थन में आ जाएं तो वह (विपक्ष) सरकार को दोष न दे। शिवसेना ने कोश्यारी को सीधी बात करने वाला व्यक्ति बताते हुए कहा कि राज्यपाल को चाहिए कि उन लोगों को फटकार लगाएं जो उनकी शक्तियों के सहारे सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। शिवसेना ने महाराष्ट्र भाजपा के किसी भी नेता का नाम लिये बगैर कहा कि उन्हें महाराष्ट्र की जगह गुजरात में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करनी चाहिये। महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है, जो अपने छह महीने पूरे करने जा रही है। हालांकि विपक्ष ने कहा था कि यह सरकार 11 दिन भी नहीं चल पाएगी। शिवसेना ने कोश्यारी को एक संत-महात्मा करार देते हुए कहा कि विश्वास नहीं किया जा सकता कि कोई भी संत-महात्मा राजनीतिक षड्यंत्र में शामिल हो सकता है। पार्टी ने कहा कि कोश्यारी ने अपना पूरा जीवन आरएसएस के विचारों का पालन करने में बिता दिया। संपादकीय में कहा गया है कि भाजपा नेताओं के अलावा राकांपा प्रमुख शरद पवार, पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल और शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने राज्यपाल से मुलाकात की है। पवार, पटेल और राउत की राज्यपाल से मुलाकात की ओर इशारा करते हुए शिवसेना ने कहा कि महाराष्ट्र के ताजा हालात पर चर्चा करने का यह मतलब नहीं है कि राजभवन में "कुछ चल रहा है।" पार्टी ने कहा कि ठाकरे सरकार स्थिर है...फिर भी लोग अफवाहें उड़ा रहे हैं कि राजभवन में कुछ (सरकार की स्थिरता को लेकर) चल रहा है, और इस तरह राज्यपाल की भूमिका पर सवाल खड़े किये जा रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का इस्तीफा

जिस वायरल ऑडियो क्लिप के आधार पर स्वास्थ्य निदेशक की गिरफ्तारी हुई है उसमें करोड़ों रुपये के लेनदेन की बात कही जा रही है। राजीव बिन्दल ने बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजे अपने इस्तीफे में लिखा, बीते दिनों स्वास्थ्य निदेशक की कथित ऑडियो क्लिप वायरल हुई जिसके मद्देनजर प्रदेश सरकार ने उनके खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस विभाग इस मामले की जांच कर रहा है, मगर इसी बीच कुछ लोग बीजेपी की ओर भी उंगलियां उठा रहे हैं। मैं बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष हूं और चाहता हूं कि इसकी पूरी और निष्पक्ष जांच हो। इसलिए उच्च नैतिक मूल्यों के आधार पर मैं इस्तीफा दे रहा हूं। बिन्दल ने पत्र में कहा, इस प्रकरण का बीजेपी हिमाचल प्रदेश से कोई लेना-देना नहीं है। इसे बीजेपी से जोड़ना सरासर अन्याय है और कोरोना महामारी के दौरान बीजेपी द्वारा की गई समाजसेवा का भी अपमान है। याद रहे मैं सिर्फ उच्च नैतिक मूल्यों के आधार पर इस्तीफा दे रहा हूं। हिमाचल प्रदेश में पीपीई खरीद घोटाले का यह मामला प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया था। एक पत्र के जरिए प्रधानमंत्री को प्रदेश में कोरोना काल में हुए घोटाले की पूरी जानकारी दी गई थी। पत्र में लिखा गया कि कोरोना वायरस आमजन के लिए आपदा है, लेकिन कुछ लोगों के लिए भ्रष्टाचार की फसल काटने का समय है। मुख्यमंत्री ईमानदारी से कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं, लेकिन कुछ लोग सरकार को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। प्रदेश में हुए इस मामले की शिकायत आखिर किसने पीएमओ तक पहुंचाई, यह चर्चा का विषय है।

महाराष्ट्र: 24 घंटे में कोरोना से 105 लोगों की मौत

मुंबई में कोरोना के कुल 34 हजार 018 केस हो गए हैं और 1097 लोग दम तोड़ चुके हैं। अब तक 8 हजार 408 लोग इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। मुंबई में कोरोना के 24 हजार 507 एक्टिव केस हैं। महाराष्ट्र में कोरोना का रिकवरी रेट 31.15 फीसदी है। फिलहाल 5 लाख 82701 लोग होम क्वारनटीन हैं और 37 हजार 761 लोग इंस्टीट्यूशनल क्वारनटीन हैं। इससे पहले मंगलवार को महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 2091 नए केस सामने आए थे और 97 लोगों की मौत हुई थी। जो अब तक एक दिन में सबसे ज्यादा है। मुंबई में 1002 नए केस सामने आए थे और 39 लोगों ने दम तोड़ा था। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में पुलिसकर्मी भी आ रहे हैं। राज्य में बीते 24 घंटे में 75 पुलिसकर्मियों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। राज्य में कोरोना संक्रमित पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़कर 1,964 हो गई है। राज्य में कोरोना से ठीक हुए पुलिसकर्मियों की संख्या 849 हो गई है। महाराष्ट्र पुलिस में कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या 1,095 है। महाराष्ट्र पुलिस के कुल 223 पुलिस अधिकारी और 1,741 कर्मचारी कोरोना संक्रमित हुए हैं। देश में भी कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। मरीजों का आंकड़ा 1.51 लाख के पार पहुंच गया है। अब तक 4 हजार 337 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ठीक होने वालों का आंकड़ा 64 हजार से अधिक है। देश में 83 हजार से अधिक एक्टिव केस हैं।

कोरोना का इलाज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा– जिन अस्पतालों को मुफ्त में जमीन मिली, वे मरीजों का इलाज भी मुफ्त में करें

सरकार ऐसे अस्पतालों की पहचान करे

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सरकार से कहा कि ऐसे प्राइवेट अस्पतालों की पहचान करें जहां कोरोना के मरीजों को फ्री या मामूली खर्चे पर इलाज मिल सके। कोर्ट ने कहा कि जिन अस्पतालों को फ्री में या फिर बहुत कम रेट पर जमीन मिली है उन्हें कोरोना के मरीजों का इलाज भी मुफ्त में करना चाहिए। प्राइवेट अस्पतालों में कोरोना ट्रीटमेंट के खर्च पर लगाम लगाने की मांग की याचिका एडवोकेट सचिन जैन ने लगाई थी। उनका आरोप है कि कई निजी अस्पताल संकट के समय में भी कोरोना के मरीजों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। जैन का कहना है कि जो प्राइवेट अस्पताल सरकारी जमीन पर बने हैं या चैरिटेबल संस्थान की कैटेगरी में आते हैं, सरकार को उनसे कहना चाहिए कि कम से कम कोरोना के मरीजों का तो जनहित में फ्री या फिर बिना मुनाफा कमाए इलाज करें।

7 दिन बाद अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 30 अप्रैल को केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ये पॉलिसी मैटर है, इस बारे में सरकार को फैसला लेना था। हम अपना जवाब पेश कर देंगे। अगली सुनवाई 7 दिन बाद होगी।

'जिन गरीबों के पास इंश्योरेंस नहीं, उन्हें भी निजी अस्पतालों में फ्री इलाज मिले'

याचिकाकर्ता ने कोर्ट से सरकार को ये निर्देश देने की अपील भी की है कि गरीब तबके के कोरोना पीड़ित मरीज प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाएं तो उनका खर्च सरकार उठाए। जिन गरीबों के पास कोई इंश्योरेंस कवर या आयुष्मान भारत जैसी स्कीम नहीं है उन्हें भी फ्री इलाज मिले। साथ ही जिन गरीबों के पास इंश्योरेंस कवर है, लेकिन इलाज का खर्च रिएंबर्समेंट से ज्यादा होता है तो उसकी भरपाई भी सरकार को करनी चाहिए।

पुल का निर्माण कार्य अधर में लटका, पुनः काम चालू करने की मांग

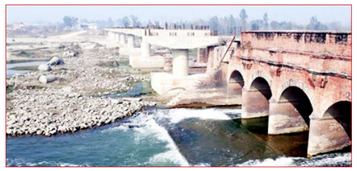

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। भारतीय किसान संस्था के संस्थापक पूर्व प्रतियाशी विधान सभा 34 स्वार टांडा के अब्दुल गफूर इन्जी० ने लालपुर से सम्बंधित पुल का कार्य अधर में लटका निर्माण कार्य चालू कराये जाने को लेकर एक पत्र मुख्यमंत्री को प्रोषित कर शीर्ध मांग की गई हैं। विधान सभा 34 स्वार पूर्व प्रत्याशी अब्दुल गफूर इन्जी० ने कहा कि लालपुर पुल का निर्माण सन 1932 में नवाब रामपुर के अधीन कराया गया था पुल जीर्ण शीर्ण होने के कारण मात्र छोटे वाहन ही निकल पा रहा था सपा सरकार के चलते नवाबों द्वारा बनाए गये पुल को नया पुल के निर्माण कार्य कराये जाने को लेकर तुड़वा दिया गया था सपा सरकार का बदलाव होने के उपरान्त भाजपा शासन काल में पुल के निर्माण कार्य पर रोक लग गई जो आज तक अधर में लटका चला आ रहा है पुल का निर्माण कार्य पूर्ण न होने के साथ साथ क्षेत्रीय जनता व रामपुर न्यायालय आने जाने वाले लोगों को पुल की गम्भीर समस्या को देखते हुए अनेकों प्रकार की कठीनाइयां सहकर अपना सफर तय करना पड़ रहा हैं पुल का निर्माण कराए जाने को लेकर राजनीति द्वारा आन्दोलन आदि छेड़े गये अपनी राजनीति चमकाये जाने के साथ साथ सिर्फ आश्वासनों के अलावा उलझाव में दाल दिया गया वारसात के चलते रामपुर आने जाने का रास्ता बंद होकर रह जाता हैं। प्रदेश सरकार अगर चाहे तब अधर में पड़ा पुल का निर्माण कार्य चालू कराया जाना कोई मुश्किल कार्य नहीं है दूसरे निर्माण से लाखों से अधिक नगर व क्षेत्रीय जनता को लाभ पहुचेंगा बेहद अनपी गंम्भीरता दिखाते हुए शीर्ध पुल का निर्माण कार्य चालू कराये जाने की मांग की हैं।

नेपाल में नए नक्शे को संविधान में शामिल करने के प्रस्ताव पर चर्चा टली

काठमांडू। नेपाल के संविधान में देश के नए मानचित्र को शामिल करने के प्रस्ताव पर होने वाली चर्चा टल गई है। इस मुद्दे पर सभी पार्टियों की सहमति नहीं बन पाई है। यह चर्चा पहले भी एक बार टलने के बाद बुधवार को तय की गई थी। अब ये चर्चा कब होगी इसका दिन नहीं तय किया गया है। नेपाल की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव (प्रतिनिधि सभा) में संशोधन के लिए बुधवार को चर्चा होनी थी। कानून मंत्री शिवमाया तुंबहाम्पे को 2 बजे प्रस्ताव पेश करना था। भारत ने हाल ही में लिपुलेख तक सड़क निर्माण किया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसका उद्घाटन भी किया था, इसके बाद ही नेपाल की सरकार ने विरोध जताते हुए 18 मई को नया मानचित्र जारी किया था। इसमें भारत के कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को अपने क्षेत्र में बताया था।इसके बाद 22 मई को संसद में संविधान संशोधन का प्रस्ताव भी दिया था। हाल ही में भारत के सेना प्रमुख एमएम नरवणे ने कहा कि नेपाल ने ऐसा किसी और (चीन) के कहने पर किया। नेपाल की सरकार को संविधान में संशोधन के लिए दो-तिहाई वोट की जरूरत है। प्रधान मंत्री केपी शर्मा ओली ने सबकी सहमति से प्रस्ताव पारित करने के लिए मंगलवार शाम सभी पार्टियों की बैठक बुलाई थी, लेकिन मधेसी पार्टियों के नेता संशोधन के प्रस्ताव के साथ अपनी मांगों को भी शामिल करने का दबाव बना रहे हैं।

उल्का नायर को राष्ट्रीय महिला आयोग का प्रमाण पत्र

संवाददाता

मुंबई। बच्चों की शिक्षा और महिलाओं के के उत्थान में कार्य करने वालीं उल्का फाउंडेशन की चेयरमैन उल्का नायर को राष्ट्रीय महिला आयोग (नेशनल कमीशन फॉर वूमेन) द्वारा 'महिलाओं के अधिकार का संकल्प' प्रमाण पत्र दिया गया, जिसके चलते कई सामाजिक संस्थाओ ने उनका अभिनंदन किया है। कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी उल्का फाउंडेशन की चेयरमैन उल्का नायर वर्षों से महिलाओं के उत्थान और बच्चों की शिक्षा के साथ साथ नार्कोटिस की आदी बन चुके बच्चों को मुक्ति दिलाने का पूरा प्रयास करती आयी हैं। उन्हें इस

इस बात की खुशी है कि उन्हें अपने इस अभियान में अब तक सफलता भी मिलती आयी है। उल्का नायर के इन समाजिक कार्यों को देखते हुये उन्हें राष्ट्रीय महिला आयोग ने 'महिलाओं के अधिकार का संकल्प' प्रमाण पत्र देने के साथ ही यह आशा व्यक्त की है कि वे हमेशा सच्ची निष्ठा से सभी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेंगी और उन्हें बढ़ावा देंगी। वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपने कार्यों, शब्दों या कर्मों के माध्यम से महिलाओं के अधिकार का उल्लंघन नहीं करेंगी। उल्का नायर कहती हैं हर पति के बढ़ने में पत्नी का हाथ होता है लेकिन मैं गर्व से कहती हूँ कि मेरे हर एक समाजिक कार्यों के पीछे मेरे पति चंद्रशेखर नायर का अमुल्य योगदान है।

मजबूरी से मौत तक का सफर

मुंबई से 1039 प्रवासी श्रमिकों को लेकर स्पेशल ट्रेन काशी पहुंची, इसमें सवार दो मजदूरों के शव मिले

संवाददाता

वाराणसी। कोरोना महामारी के संकट काल में अपनों के बीच पहुंचने का सफर कई प्रवासी मजदूरों के लिए आखिरी सफर साबित हो रहा है। बुधवार को मुंबई से वाराणसी के मंडुआडीह पहुंची श्रमिक स्पेशल ट्रेन में दो प्रवासी मजदूर मृत मिले। इनमें एक आजमगढ़ तो दूसरा जौनपुर का रहने वाला था। शवों की पहचान होने के बाद कोरोना जांच के लिए सैंपल लिया गया है। जीआरपी, आरपीएफ और पुलिस ने एहतियात बरतते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। इससे पहले, बुधवार को महाराष्ट्र से 1039 श्रमिकों को लेकर स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 01770) मंडुआडीह स्टेशन पहुंची। ट्रेन के एस-15 और दिव्यांग कोच में सफर कर रहे दो प्रवासी मजदूर मृत मिले। उनके शवों को कोई छूने को तैयार नहीं था। एक मजदूर की पहचान जौनपुर के बदलापुर गांव निवासी 30 वर्षीय दिव्यांग दशरथ के रूप में हुई। दशरथ के जीजा पन्नालाल ने बताया कि वे 9 परिजन के साथ ट्रेन में सफर कर रहे थे। मुंबई से खाना लेकर चले थे। रास्ते में भी हमें खाना मिला था। दशरथ चल नहीं पाता था। प्रयागराज में थोड़ी तबीयत खराब लग रही थी। फिर वह सो गया। काशी पहुंचने के बाद जब उसे उठाया तो वह नहीं उठा। उसे कोई बीमारी नहीं थी।

कोरोना सैंपल लेने के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा- स्टेशन प्रबंधक

दूसरे मृतक की पहचान आजमगढ़ के रामरतन रघुनाथ के रुप में हुई। जेब से मिले दस्तावेज के अनुसार, उसकी उम्र 63 साल थी। उसके पास से ए विंग, रूम नंबर 43, आकाशदीप हाउसिंग सोसायटी, आयकर ब्लॉक, अस्मिता भवन, लिंकरोड के आसपास जोगेश्वरी पूर्व, मुंबई का पता भी मिला। किसी एक नंबर पर यह व्यक्ति लगातार बात कर रहा था। वह मूल रूप से आजमगढ़ का रहने वाला था। स्टेशन प्रबंधक अरुण कुमार ने बताया कि डॉक्टरों की टीम को जांच के लिए बुलाया है। सैंपल लेने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सोनिया गांधी पर मुकदमे के खिलाफ प्रदेश किसान कांग्रेस नेताओं का धरना

संवाददाता

हरिद्वार। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी व अन्य कांग्रेस पार्टी के नेताओ द्वारा पी एम केयर फंड का हिसाब मागे जाने पर उनके खिलाफ हुए मुकदमे के खिलाफ आज उत्तराखण्ड प्रदेश किसान कागेसी नेताओं ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया यह धरना प्रदर्शन उत्तराखंड प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री सुशील कुमार राठी के नेतृत्व में दिया गया धरने को संबोधित करते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमन कुमार ने कहा है कि दिल्ली की कुर्सी पर आसीन नरेंद्र मोदी की सरकार बिल्कुल संवेदनहीन सरकार है आज केन्द सरकार की गलत नीतियों की वजह से देश का गरीब मजदूर किसान भूखे मरने की कगार पर है हर रोज देश का मजदूर भूख से सड़को पर दम तोड़ रहा है हर रोज देश का का अनदाता किसान आत्म हत्या कर रहा है प्रतिदिन प्रवासी मजदूर सड़कों पर भूखे प्यासे हजारों मील पैदल चल रहे हैं देश में बेरोजगारी चरम सीमा को पार कर गई है देश की इस दुर्दशा का जिम्मेदार और कोई नही केंद्र में भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार है बार-बार 70 साल का हिसाब मांगने वाले आज 50 दिन का पी एम केयर फंड का हिसाब नही दे पा रहे है किसान कांग्रेस कमेटी ने यह मांग भी कि कि तुरंत इन मुकदमों को वापस लिया जाए कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा ने जो सवाल पीएम केयर फंड को लेकर पूछे हैं हैं देश का जनमानस उसका जवाब जानना चाहता है सवाल पूछना लोकतांत्रिक अधिकार है सरकार को जनता के प्रति जवाब देना होगा धरने को, विवेक यादव दुर्गा सक्सेना, कमलेश धीमान, संगीता, यादव, कुन्ती देवी,राजीव धीमान, बृजपाल सिंह, उपेन्द्र कुमार यादव, बिजेंद्र सिंह, दिनेश सिंह, मंगल यादव, आदि लोगों ने भी संबोधित किया।

दिल्ली के किसान ने 10 प्रवासी मजदूरों को बिहार भेजने के लिए फ्लाइट के टिकट खरीदे

नई दिल्ली। लॉकडाउन की वजह से प्रवासी मजदूरों को अपने घर लौटने में परेशानी हो रही है। दिल्ली के एक किसान पप्पन सिंह ने ऐसे ही मजदूरों को उनके घर पहुंचाने के लिए मदद की अनूठी मिसाल पेश की। इस किसान के यहां बिहार के 10 मजदूर काम करते हैं। वे लॉकडाउन की वजह से यहां फंसे हुए थे। किसान ने इन्हें बिहार भेजने के लिए 68 हजार रुपए में फ्लाइट के टिकट खरीदे। अपने मालिक की इस दरियादिली से मजदूर काफी खुश हैं। गरुवार सुबह 6 बजे दिल्ली से पटना के लिए इनकी फ्लाइट उड़ान भरेगी। इन मजदूरों ने अप्रैल में ही घर

जाने की योजना बनाई थी मगर अब तक सफलता नहीं मिल पाई थी, उन्हें यह भरोसा नहीं हो पा रहा है कि वह अपने घर पैदल चलकर नहीं, बल्कि प्लेन से जा रहे हैं। सभी मजदूर समस्तीपुर के रहने वाले हैं। फ्लाइट से घर जा रहे लखिंदर राम काफी खुश हैं। वे अपने बेटे के साथ घर लौट रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं प्लेन में सफर करूंगा। मैं इस खुशी को शब्दों में नहीं बयां कर सकता हूं। हालांकि, मैं थोड़ा नर्वस भी हूं कि एयरपोर्ट पहुंचेंगे तो मैं क्या करूंगा। लखिंदर कहते हैं कि मैं अपने मालिक पप्पन सिंह का आभारी हूं। वे प्रवासी मजदूरों की हर तरह से मदद कर रहे हैं। उनका बकाया चुका रहे हैं। खाने-पीने का इंतजाम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब मैंने अपनी पत्नी से कहा कि मैं कल बिहार के लिए प्लेन से रवाना हो रहा हूं, तो उसे भरोसा ही नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट का मिडिल सीट बुक करने के मामले में अपने आदेश में संशोधन से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एयर इंडिया की स्पेशल फ्लाइट में मिडिल सीट बुक करने के मामले में अपने आदेश में संशोधन से इनकार कर दिया। सर्वोच्च अदालत में बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ चीफ जस्टिस एसए बोबडे की बेंच ने अर्जेंट सुनवाई की थी। तब कोर्ट ने एयर इंडिया को विदेशों में फंसे भारतीयों को लाने के लिए 6 जून तक मिडिल सीट की बुकिंग की इजाजत दी थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए एयर इंडिया को पिछले हफ्ते आदेश दिया था कि विदेशों से आ रही उड़ानों में मिडिल सीट खाली रखी जाए। एयर इंडिया और सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने सोमवार को जारी अपने आदेश में कहा था कि हम हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश में दखल देने के इच्छुक नहीं हैं, लेकिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विदेशों में फंसे भारतीयों को हो रही दिक्कतों के बारे में बताया।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरकार ने शुरू किया 'नारी' पोर्टल, अब मिलेगी औरतों से जुड़ी हर योजना की जानकारी

महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के बारे में शुरू से ही बातें होती रही हैं लेकिन कुछ औरतों को तो अपने अधिकारों के बारे में सही तरह से जानकारी भी नहीं होती। सरकार की तरफ से केन्द्र और राज्यों में महिलाओं के कल्याण के लिए लगभग 350 योजनाएं चल रही हैं। जिसके बारे में शायद बहुत से लोग जानते भी नहीं होंगे। आप भी इसी तरह की योजनाओं के बारे में जानना चाहते हैं तो आपको बता दें कि अब इसके बारे में जानना और इनका लाभ उठाना मुश्किल नहीं होगा।

सरकार खास औरतों के लिए अब 'नारी' नाम का पोर्टल शुरू कर रही है। इस पोर्टल में महिलाओं की योजनाओं का हर जानकारी अपडेट होगी। इस पोर्टल का शुंभारंभ महिला बाल विकास मंत्री मेनका गांधी मंगलवार को करेंगी। इस पोर्टल को चलाने का मकसद महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना है।

इससे महिलाओं को बहुत फायदा मिलेगा। उन्हें जानकारी मिल सकेगी कि राज्य सरकार की तरफ से औरतों को शिक्षा और आर्थिक मदद के लिए योजनाएं चलती हैं, परेशानी में फंसी महिलाओं की मदद के लिए 168 जिलों में वन स्टाप सेंटर स्थित हैं। जहां पर महिलाएं सुरक्षा प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य जांच,नौकरी, महिला के नाम पर घर का पंजीकरण कराने में प्राथमिकताओं से जुड़ी जानकारियां, औरतों के निवेश और बचत के सुझाव,कानूनी मदद के लिए संपर्क नंबर भी आसानी से उपलब्ध होंगे। इस पोर्टल की सबसे खास बात यह होगी कि औरतों के अधिकारों की जगह-जगह पर फैली जानकारी एक ही पोर्टल में मिल जाएंगी।

इसके अलावा नए पोर्टल में योजनाओं को अपडेट भी किया जा सकेगा। आप आसानी से इस पोर्टल के जरिए जानकारी से संबंधित मंत्रालय का लिंक भी आसानी से मिल सकेगा।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष: व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल प्राप्त होगा। परिवार की चिंता रहेगी। विरोध होगा।

वृष: ईष्ट मित्र व सगे-संबंधी मिलेंगे। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। धनलाभ होगा। पुराना रोग उभर सकता है। कार्यस्थल पर सुधार होगा।

मिथुन: बेरोजगारी दूर होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धन प्राप्ति सुगम होगी। योजना फलीभूत होगी।

कर्क: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्ययवृद्धि होगी। शत्रु परास्त होंगे। विवाद न करें। झंझटों से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह: रुका हुआ धन प्राप्त होगा। तनाव व चिंता रहेंगे। परिवार का ध्यान रखें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। लाभ होगा।

कन्या: कार्यपद्धति सुधरेगी। योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला: पूजा-पाठ में मन लगेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें।

वृश्चिक: चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। काम में मन नहीं लगेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु: राजकीय सहयोग मिलेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। यात्रा से लाभ होगा। उन्नति होगी।

मकर: रोजगार मिलेगा। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। जोखिम न लें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

कुंभ: बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। जल्दबाजी न करें। कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

मीन: दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। बुरी सूचना मिल सकती है। जल्दबाजी से कार्य बिगड़ेंगे। दांपत्य जीवन संबंधी विवादों का समाधान निकलेगा।

ये है हुमायूं का खूबसूरत मकबरा, तैयार होने में लग गए थे 8 साल

भारत में घूमने-फिरने के लिए बहुत सी खूबसूरत और ऐतिहासिक इमारतें है। भारत में ऐसी कई प्राचीन और ऐतिहासिक जगहें है जिनसे कोई न कोई कहानी जुड़ी हुई है। ऐतिहासिक चीजों के बारे में जानने के इच्छुक लोग ऐसी जगहों पर ही घूमने का प्लान बनाते है। आज हम आपको ऐसी ही एक ऐतिहासिक जगहें के बारे में बताने जा रहें है। वैसे तो दिल्ली में घूमने के लिए बहुत सी खूबसूरत और ऐतिहासिक जगहें है लेकिन हम बात कर रहें है मुगल सम्राट हुमायूं के खूबसूरत मकबरे की। तो चलिए जानते है इसके बारे में कई और बातें। दिल्ली में स्थित हुमायूं का मकबरा उनकी मौत के 9 साल बाद उनकी विधवा बेगम ने बनवाया था। इस भवन के निमार्ण के लिए वास्तुकारों को अफगानिस्तान के हेरात शहर से बुलाया गया था। इसे बनने में करीब 8 साल लग गए थे, जोकि एक

मकबरे के लिए बहुत ज्यादा हैं। यमुना नदी के किनारे पर बने इस मकबरे में बहुत ही सुदंर तरीके से कलाकारी की गई हैं। 30 एकड़ तक फैले इस मकबरे के आस-पास हरियाली ही हरियाली हैं। इस मकबरे को बनाने के लिए सबसे ज्यादा बलुआ पत्थर का इस्तेमाल हुआ। आजतक किसी भी ऐतिहासिक इमारत को बनाने के लिए इतने पत्थर नहीं लगे। इसकी खूबसूरती के कारण इसे युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। आप यहां मकबरे में बने चतुर्भुजाकार यानि चारबाग की खूबसूरती भी देख सकते हैं। यह पारसी शैली में बना बगीचा पूरे दक्षिण एशिया में इस प्रकार का पहला बाग है। लोग इस मकबरे के महत्व और इतिहास को जानने के साथ-साथ यहां के खूबसूरत नजारों का मजा भी लेते है।

घूमने-फिरने के शौकीनों के लिए एडवेंचर से भरा है ये खतरनाक एयरपोर्ट

घूमने-फिरने के शौकीन ज्यादातर लोग एडवेंचर को भी पसंद करते हैं। दूसरे लोगों के लिए जो चीज खतरा है, वो उन्हें लिए एडवेंचर है। ऐसी ही एक जगह है, जिसे दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में से एक माना जाता है। लुका एयरपोर्ट जिसे तेनजिंग हिलेरी एयरपोर्ट कहा जाता है, नेपाल में स्थित है। इस एयरपोर्ट को 1960 में बनाया गया था। हिमालय के प्रवेश द्वार पर बसा लुका शहर का यह एयरपोर्ट विश्व का सबसे खतरनाक एयरपोर्ट है। माउंट एवेरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले प्रथम व्यक्ति तेनजिंग नोर्गे और एडमंड

हिलेरी के सम्मान में 2008 में इसका नाम बदलकर तेनजिंग हिलेरी एयरपोर्ट कर दिया गया। माउंट एवेरेस्ट को जीतने की चाहत रखने वाले अनेक पर्वतारोही लुका से अपनी यात्रा शुरू करते हैं इसलिए इस एयरपोर्ट पर रोज हेलीकॉप्टर और छोटे हवाई जहाज लैंड करते हैं, जिससे वह अपने मिशन को कम समय में और आसानी से पूरा कर पाते हैं। नेपाल के इस एयरपोर्ट पर कोई भी कंट्रोल टावर,रडार और संचालन मशीन नहीं है और साथ ही मौसम कुछ मिनट में बदलता रहता है, जिसकी वजह से एक्सीडेंट्स का खतरा और भी बढ़ जाता है। पायलट सिर्फ कॉकपिट पर निर्भर रहते हुए किसी भी फ्लाइट को टेक-ऑफ और लैंड करते हैं ,कितनी बार पायलट अपने अनुभव और प्रैक्टिस से ही लैंडिंग करते हैं। पायलट्स की जरा सी चूक उनको 10,000 फीट नीचे ले जा सकती है क्योंकि यहाँ का 20 मीटर चौड़ा 460 मीटर लम्बा रनवे एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के स्टैंडर्ड रनवे की तुलना में 10 गुना छोटा है जिसको सिर्फ एक छोटी वॉक से नापा जा सकता है। त्रिभुवन एयरपोर्ट काठमांडू के बाद लुका एयरपोर्ट अब दुनिया का दूसरा सबसे ज्यादा बिजी रहने वाला एयरपोर्ट है यहां प्रतिदिन 79 फ्लाइट्स संचालित होती है। खतरनाक होने के बावजूद टूरिस्ट इस एयरपोर्ट को देखने आते हैं।

1 मिनट का फेर

इस जुड़वा भाई-बहन ने अलग-अलग साल में लिया जन्म

अमेरिका के कैलीफोर्निया में न्यू ईयर की शाम जुड़वां भाई-बहन ने जन्म लिया। जोक्विन और एंटीना दे जीजस ऑनटेवीरियस का जन्म 27 जनवरी 2018 को होना था। लेकिन उनकी मां मारिया को न्यू ईयर की शाम को लेबर पेन हुआ और आधी रात ही डिलिवरी के लिए एडमिड करना पड़ा। कैलिफोर्निया के डिलानो रीजनल मेडिकल सेंटर में डिलिवरी हुई।जोक्विन ऑनटेवीरियस का जन्म 31 दिसंबर की रात 11।58 पर हुआ वहीं दूसरी बच्ची एंटीना का जन्म 1 जनवरी को 12।16 मिनट पर हुआ। जोक्विन का वजन 2 किलो था तो वहीं एंटीना का 1।8 किलो था। यानी दोनों हर चीज साथ में शेयर करेंगे लेकिन बर्थडे, महीना यहां तक की साल भी अलग होगा।

मारिया और उनके पती दोनों किसान हैं जिनकी तीन बेटियां हैं। Daily Mail से अस्पताल के लोगों ने बताया कि "मारिया और दोनों बच्चे स्वस्थ हैं और घर जाने की कंडीशन में हैं। ये वाकई हैरान करने वाला है। पूरा परिवार काफी खुश है। जब उनके परिवार को पता चला कि मारिया को अस्पताल में ही एडमिट होना पड़ेगा तो पूरे परिवार ने अस्पताल में ही न्यू ईयर पार्टी मनाने का प्लान कर लिया था। लेकिन मारिया के लेबर पेन ने सभी को हैरान कर दिया।"

बता दें ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले पिछले साल २जॉर्जिया, उताह, एरीजोना और सेन डिएगो में चार जुड़वा बच्चों ने जन्म लिया था। 2015-16 में सेन डिएगो में ऐसा पहला मामला हुआ था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना साइकिल करने से मिलते हैं ये फायदे

बदलते लाइफस्टाइल के कारण लोगों ने पैदल चलना और साइकिल का इस्तेमाल करना बहुत कम कर दिया है। लोग ज्यादातर कार या बाइक का चलाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए साइकलिंग बहुत महत्वपूर्ण है। साइकिल चलाने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं,हृदय स्वस्थ और रक्त संचार भी ठीक रहता है। रोजाना सुबह खुली हवा में साइकिल चलाने से इंसान का मन खुश रहता है, तनाव कम हो जाता है और साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जो व्यक्ति नियमित रूप 30 मिनट तक साइकलिंग करता है वह वजन को आसानी से कंट्रोल कर लेता है। आइए जानें साइकलिंग के फायदे।

1. ऐरोबिक एक्सरसाइज

ऐरोबिक स्वस्थ रहने का सबसे आसान तरीका है। इससे शरीर से एकस्ट्रा फैट आसानी से बर्न की जा सकती है। जिससे मोटापा होने का खतरा कम हो जाता है लेकिन ऐरोबिक्स एक्सरसाइज करने का समय नहीं मिल रहा या फिर क्लासिस ज्वाइन करने में दिक्कत हो रही है तो रोजाना साइकिल चलाने से अलग से कसरत करने की आवश्यकता नहीं होती। इससे दिल से संबंधित रोग से भी बचाव रहता है।

2. तनाव कम

साइकल चलाने से सेरोटोनिन, डोपामाइन व फेनाइलेथैलामाइन जैसे रिसायनों बढ़ जाते हैं जो दिमाग से उदासी पैदा होने वाले रिसायनों को खत्म कर देता है, जिससे खुशी महसूस होने के साथ ही तनाव दूर होता है।

3. पैरों की कसरत

लगातार साइकिल चलाने से पैरो की पूरी कसरत होती है। इससे घुटनों का दर्द, जोड़ो के दर्द से राहत मिलती है।

4. सही मात्रा में पानी पीएं

डायबटीज बाले लोगों को साइकिल चलाने से पहले कम से कम 1 गिलास पानी पीना चाहिए। इस बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को 1 घंटे से ज्यादा साइकिल चलानी चाहिए और अपने साथ हमेशा काबोर्हाइड्रेट युक्त भोजन रखना चाहिए।

5. ब्लड शुगर की जांच

डायबटीज के रोगी को बाकी लोगों की तुलना में ज्यादा दूरी तक साइकिल चलानी चाहिए। साइकिल चलाने से पहले और बाद में ब्लड शुगर की जांच जरूर करें।

ये टिप्स अपनाएं और हाथों की झुर्रियों को कहें बाय-बाय

हमारे हाथ शरीर का ऐसा हिस्सा है, जो बाकी अंगों से ज्यादा क्रियाशील रहते है। हम लोग अपने चेहरे को तो संवार कर रख देते है लेकिन हाथों को लेकर लापरवाही बरत देते है। ज्यादातर हमारे हाथों पर सूरज की किरणें और प्रदुषण का प्रभाव पड़ता है, जिस वजह से हाथों में झुर्रियां पड़ने लगती है। कई बार बढ़ती उम्र के कारण भी हाथों पर झुर्रियां या लाइनें नजर आने लगती है। इसका कारण यहीं है कि जितनी देखरेख हम अपने चेहरे की करते हैं, उतनी हाथों की नहीं कर पाते। परन्तु चेहरे के साथ-साथ हाथों की सुंदरता भी बहुत जरूरी है। अगर आप भी अपने हाथों के साफ-सूथरा और झुर्रियों रहित रखना चाहते है तो हम आपको कुछ तरीके बताएंगे, जो आपको हाथों को खूबसूरत दिखाएंगे।

1. मॉइस्चराइजर

जब हाथों में चेहरे की तरह नमी की कमी हो जाती है तो उनमें झुर्रियां पड़ने लगती है। इसलिए हाथों मे मॉइस्चराइजर ठीक से लगाए और हाथों को रूखा ना होने दें।

2. तेल से करें उपचार

अपने हाथों पर तेल लगाकर मालिश करें। आप चाहें तो नारियल ,शीशम या जैतून का तेल इस्तेमाल करें। इस तेल को कम से कम हाथों पर 1 घंटा लगाकर रखेंबेहतर होगी कि यह नुस्खा आप रात को सोते समय ट्राई करें और सुबह हाथों को धो लें।

3. स्क्रब करें

गर्मी में हाथों से सनटैन निकालने के लिए बेसन मे तेल मिलकर स्क्रब करें। यह काफी सरल और साधारण उपचार है। इससे हाथ मुलायम और खूबसूरत दिखेंगे।

4. व्यायाम करें

व्यायाम करने से शरीर मे रक्त संचार ठीक से होता है जो झुरियों को भी होने से रोकता है। इसलिए अपने हाथों कों नियमित व्यायाम करवाएं, ताकि वह स्वस्थ और झुर्रियां मुक्त रहे।

5. सूरज की किरणों रखें दूर

अपने हाथ और चेहरे को सूरज की किरणों से दूर रखें। अगर बाहर जाए तो दस्ताने पहनकर और हाथो मे सनस्क्रीम जरूर लगाएं।

हाथों की झुर्रियों के लिए घरेलू नुस्खे

1. नींबू और शक्कर

कटोरी में 1/2 चम्मच नींबू रस और 1 चम्मच शक्कर मिलाएं। फिर इस पेस्ट को अपने हाथों पर मले और 15 मिनट बाद पानी से धो दें। इससे हाथों जमी गंदगी और धूल भी साफ हो जाएगी।

2. नींबू रस और दूध

बाउल में 1/2 नींबू रस और 2 बड़े चम्मच दूध के मिलाएं। इसे पेस्ट को 20 मिनट तक हाथों पर लगाए और फिर धो दें। इससे हाथ कोमल और साफ होंगे।

3. अनानास का रस

अनानास में मौजूद तत्व स्किन में चमक और कसाव बनाए रखते है। इसके लिए अपने हाथो पर अनानास का रस लगाएं और थोड़ी देर बाद हाथों को धो दें।

6. केले का पैक

केले से बना पैक स्किन को उसे नरम और मुलायम बनाए रखते है। केले को मसलकर अपने हाथों पर मले ओर फिर सूखने पर धो दे।

सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है इन 7 चीजों का सेवन

बाजार से मिलने वाली कई चीजें ऐसी है, जिसमें मिलावट की जाती है। आप बाजार में मिलने वाली इन चीजों को सेफ समझ कर खरीद तो लेते है लेकिन ये चीजें आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। अक्सर आप बाजार से मिलने वाली चीजों का लेबल और स्वाद देख कर खरीद लेते है पर स्वादिष्ट लगने वाली यह चीजें स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है। इन चीजों का सेवन आपके लिए कई बीमारियों का कारण बन सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताने जा रहें है जिसका सेवन सेहत के लिए खतरनाक हो सकता हैं।

1. आर्टिफिशियल स्वीटनर्स

कॉफी या दूसरी चीजों के लिए इस्तेमाल होनी वाली आर्टिफिशियल शुगर पेट खराब और डायबिटीज का कारण बन सकती है। इसके अलावा इसका सेवन मोटापा, ब्रेन ट्यूमर और ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनता है।

2. डिब्बा बंद टमाटर

डिब्बा बंद टमाटरों को पैक करने के लिए उनके बॉक्स में बिस्फेनोल-ए नामक रसायनिक तत्व का इस्तेमाल किया जाता है। यह तत्व शरीर में पहुंच कर तनाव, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

3. मिलावटी मक्खन

आजकल हर चीज में मिलावट आम देखने को मिलती है। ऐसे ही बाजार से मिलने वाले मिलावटी मक्खन में भी कोलेस्ट्रॉल, केमिकल्स और फैट पाया जाता है, जोकि टाइप 2 डायबिटीज का करण बन सकता है।

4. पॉपकॉर्न

बाजार से मिलने वाले पॉपकॉर्न को बनाने के लिए मिलावटी मक्खन का इस्तेमाल किया है, जोकि लंग्स प्रॉब्लम का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा इसका सेवन दिमागी, सांस और फेफड़ों की समस्याएं पैदा करता है।

5. प्रोस्सेड मीट

मार्किट से मिलने वाला हॉट डॉग, सलामी मीट, रेड मीट या दूसरी चीजों में इस्तेमाल होने वाला प्रोस्सेड मीट भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। इसका रंग ज्यादा लाल करने के लिए सोडियम, नाइट्रेट्स और नाइट्रेट्स जैसे रासायनिक तत्व मिक्स किए जाते है, जो कैंसर का कारण बनते है।

6. टेबल सॉल्ट

ज्यादातर रेस्तरां में मिलने वाला टेबल सॉल्ट से जरूरी मिनरल्स निकाल कर इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह के नमक से पोटेशियम आयोडिन डाला जाता है जिससे खाने का रंग बदल जाता है।

7. वेजिटेबल ऑयल

वेजिटेबल ऑयल को बनाने के लिए ओमेगा -6 पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड नामक जैविक तत्व का इस्तेमाल किया जाता है। यह तत्व शरीर में जाकर बीमारियों का कारण बनता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिशा ने बताया, पार्टियों और सेट पर क्यों रहती हैं चुप

दिशा पाटनी की गिनती बॉलिवुड की शर्मीली ऐक्ट्रेस के रूप में होती है। इस बात को स्वीकार करने में भी दिशा शर्माती नहीं हैं। वह मानती हैं कि वह रियल लाइफ में अंतमुर्खी हैं लेकिन जब बात काम की होती है तो वह खुलने में हिचकिचाती नहीं हैं। संवाददाता से बातचीत में दिशा ने कहा, मैं शाई पर्सन (जो शर्माता है) हूं लेकिन मुझे नहीं लगता कि काम के वक्त ऐसा होता है। मैं तभी शर्माती हूं जब बात सोशल होने की आती है। मैं उसका कुछ नहीं कर सकती हूं। वही मेरी पर्सनैलिटी है। दिशा ने आगे कहा, मैं अंतमुर्खी हूं। मुझे घर में रहना पसंद है। मुझे नहीं पता कि कैसे बात करनी है या बातचीत शुरू करनी है। मैं ड्रिंक नहीं करती हूं। मुझे नहीं पता कि पार्टियों में क्या करना है। मैं एक पर्सन के रूप में बेहद अजीब हूं। बता दें, दिशा अभी सेल्फ-क्वारंटीन में हैं। लॉकडाउन के बाद वह 'एक विलन 2' पर काम शुरू करेंगी। इस फिल्म में वह आदित्य रॉय कपूर के साथ दिखेंगी। दोनों ने साथ में 'मलंग' में काम किया था जिसमें उनकी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया।

...स्वरा भास्कर को मिली पाकिस्तान में बसने की सलाह

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस स्वरा भास्कर सिल्वर स्क्रीन पर अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखती हैं। अक्सर वह अपने बयानों को लेकर ट्रोल हो जाती हैं। हाल में पाकिस्तान में हुए विमान हादसे पर ट्वीट करके वह एक बार फिर ट्रोल हुई हैं। पाकिस्तान में विमान हादसा होने के बाद स्वरा भास्कर ने ट्वीट करते हुए लिखा था, बेहद दुखद, पीड़ित परिवारों को लिए संवेदना और इस हादसे में पीड़ितों के लिए प्रार्थना। इस हादसे में चमत्कारी तौर बचे लोगों के लिए प्रार्थना करती हूं और कराची और लाहौर में अपने दोस्तों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। इसके बाद एक यूजर ने उन्हें पाकिस्तान में सेटल होने की सलाह देते हुए लिखा, 'स्वरा भास्कर आपको वास्तव में पाकिस्तान में बस जाना चाहिए। उनके पूर्वजों ने हमारे मंदिरों को लूटा, हिंदू महिलाओं के साथ रेप किया। इस बात का जिक्र तान्हाजी मूवी में किया गया है। हिन्दुओं को खुले तौर पर चुनौती मिलती थी। जान दोगे या जात और आप उनके समर्थन में खड़ी हैं।' यूजर को जवाब देते हुए स्वरा भास्कर ने लिखा, 'भारत और पाकिस्तान के लोगों के पूर्वज एक ही हैं। हड़प्पा, मोहनजोदाड़ो, इंडस वैली सभ्यता कभी पढ़ा या सुना है?

एक बार फिर साथ आएंगे अजय देवगन और रोहित शेट्टी

डायरेक्टर रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने साथ में एक से एक बेहतरीन सुपरहिट फिल्में साथ में दी हैं। इस जोड़ी की 'गोलमाल' और 'सिंघम' फ्रेंचाइज लोगों के इतनी पसंद आई हैं कि अभी भी फैन्स इन सीरीज की अगली फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। अगर आप अजय देवगन के फैन हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर यह है कि रोहित शेट्टी जल्द से जल्द 'गोलमाल 5' पर काम शुरू करना चाहते हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो रोहित शेट्टी गोलमाल सीरीज की अगली फिल्म पर जल्द काम शुरू करना चाहते हैं। रोहित का कहना है कि जैसे ही वह 'सूर्यवंशी' का काम खत्म करेंगे, उसके तुरंत बाद 'गोलमाल 5' का काम शुरू कर देंगे। अगर ऐसा है तो अजय देवगन एक बार फिर अपने कॉमिडी अवतार में फैन्स का एंटरटेनमेंट करते नजर आएंगे। बता दें कि रोहित शेट्टी की फिल्म 'सूर्यवंशी' कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन में फंस गई है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। 'सूर्यवंशी' में अक्षय कुमार और कटरीना कैफ लीड रोल में हैं। अब देखना होगा कि 'गोलमाल 5' के लिए दर्शकों को कितना इंतजार करना होगा। इतना तो साफ है कि रोहित लॉकडाउन के बाद जल्द से जल्द काम शुरू करने वाले हैं।